भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **917**

जिसका उत्तर शुक्रवार, 07 फरवरी, 2025/18 माघ, 1946 (शक) को दिया जाना है।

नैनो डीएपी

917. श्री जी.एम. हरीश बालयोगी:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) परम्परागत डीएपी का उपयोग करते समय उपज और प्लांट द्वारा नाइट्रोजन और फास्फोरस की ली जाने वाली मात्रा का फसलवार ब्यौरा क्या है;
(ख) नैनो डीएपी के दो छिड़काव के समय उपज और प्लांट द्वारा नाइट्रोजन और फास्फोरस की ली जाने वाली मात्रा का फसलवार ब्यौरा क्या है;
(ग) जिन फसलों में पारंपरिक डीएपी का प्रयोग किया गया है उनमें मौजूद नाइट्रोजन और फास्फोरस पोषक तत्वों का फसलवार ब्यौरा क्या है;
(घ) जिन फसलों में नैनो डीएपी के दो स्प्रे का उपयोग किया गया है, उनमें मौजूद नाइट्रोजन और फास्फोरस पोषक तत्वों का फसलवार ब्यौरा क्या है; और
(ड.) क्या सरकार ने पारम्परिक डीएपी की तुलना में नैनो डीएपी की दक्षता का निर्धारण करने के लिए कोई फील्ड (क्षेत्र) सर्वेक्षण/मूल्यांकन कराया है और यदि हां, तो दक्षता निर्धारित करने के लिए प्रयुक्त मानदंडों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ड.): भारत सरकार ने नैनो डीएपी को जैव प्रभावकारिता परीक्षणों और विष-विज्ञान परीक्षणों के आधार पर उर्वरक नियंत्रण आदेश (एफसीओ)-1985 के अंतर्गत अधिसूचित किया है। मैसर्स कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड (सीआईएल), मैसर्स जुआरी फार्म हब लिमिटेड और मैसर्स इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर को-ऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) तथा मैसर्स राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) को नैनो डीएपी के उत्पादन की अनुमति दी गई है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रदान की गई सूचना के अनुसार, जब पारंपरिक डीएपी का प्रयोग किया जाता है तो नाइट्रोजन और फास्फोरस (मुख्य उत्पाद का किग्रा प्रति टन) की कुल ग्राह्यता फसलों, मौसम और स्थान के अनुसार भिन्न-भिन्न होती है। विभिन्न फसलों में औसत पोषक तत्व अवयव नीचे दिया गया है:-

	कुल अपटेक (किलोग्राम/टन)	
फसल	**नाइट्रोजन (एन)**	**फास्फोरस (पी)**
चावल	20	4.8
गेहूं	25	3.9
मक्का	30	5.9
ज्वार	16.4	3.4
बाजरा	31.8	7.6
रागी	24.2	4.1
चना	60.7	4.0
अरहर	70.8	6.7
दाल	57.0	6.5
मूंग	106	21.0

पारंपरिक डीएपी उपयोग के मामले में, अनाज और पुआल नाइट्रोजन 1.32% और 0.82% थी जबकि चावल में अनाज और पुआल फॉस्फोरस मात्रा 0.52% और 0.29% थी। नैनो-डीएपी के 2 छिड़काव और अनुशंसित यूरिया के 2/3 छिड़काव के उपचार के परिणामस्वरूप नाइट्रोजन की मात्रा 1.22% (अनाज) और 0.90% (पुआल) थी, जबकि चावल में अनाज और पुआल फास्फोरस मात्रा 0.54% और 0.24% थी।

****